|  |  |  |  |  |  |
| :---: | :---: | :---: | :---: | :---: | :---: |
|  |  |  |  |  |  |
| OL. 1. EBENSBURG, PA., THURSDAY, JULY 26, 1860. |  |  |  |  |  |
| DIRECTORY. |  |  |  |  |  |
| List or porv oreices. Oit Eriends Tosether. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| \%ore |  |  |  |  |  |
| 6und |  | cumo beat onemo uder my wisoat |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
| comb |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  | Wend fite shtot whiech ecaped her |  |
| man, White |  |  |  |  | , eris ham, |
|  |  |  |  |  | deme |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  | 隹 |
|  |  | evening raptare in an open wagon at two- <br> furty. |  |  |  |
|  | benuty at billarios. |  |  |  | colle |
|  |  | and |  |  | Thito somon ation |
|  |  |  | (ravelit tees) |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | - He lail dipqeet quidy of at the firt | naxa, suu nead not repanat the". Forgire | ng. |  |
|  |  | tumed sobbingly, covered with nortifica-tion abd und, to the amo of his parenst.Keos questioniug at dimer was the result. | mect Then I will get |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | Suel |  |  | Soy |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | bill buld 1 come at |  |  |
|  |  | speak." "I shall know bettor than to entrust him to your ctre again," sill iudigaant |  |  | South. |
|  |  |  | the billiard room. Now this I declas |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | $\begin{aligned} & \text { pumishment tuo severe," smid the nischie- } \\ & \text { vous little pale sister, in tones ot pity, and } \\ & \text { her tace brimming with mirth. } \end{aligned}$ |  |  | sol |
|  |  | her tace brimming with mirth. Everybody laughed, and peace was re- stored. |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | \% |  | - |
| minomamindze. |  |  |  |  |  |
| \% |  |  |  |  | - |
|  | and experienced an achamg vold within. which chops and fititers had no power to repienish. |  | i | nius, if we may believe the best accounts. He is said to hare been from his childhood |  |
| Sms. |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | In thu diecoererat ihat my hines had fall. <br> a preocevpied sircam, and had got myscl |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | entangled. I avoided the public table, and shrank from society. Juring the whole of the |  |  |  |
|  | monitrations of impe |  | T- I kno for I have teont |  | called upon at a regurr chumst meeting |
|  |  |  |  | . |  |
|  |  | Ameriean atitude of despar) the pianotinkled. It was the same melody which |  |  | liarced wit makine a war of con |
|  |  |  |  |  | tut we |
|  |  | had atirncted mo a low happy days before. Strengthening myzelf with a powertini res ohtion to exuicate myself from the be- |  |  | , |
|  | Re |  |  |  |  |
|  |  |  | ci ame with they never rine tho |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  | \%". what freato of peterec |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  | "You have not been near me-us to-day," (reprovingly) "not even at dinner; |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |
|  |  |  |  |  |  |

